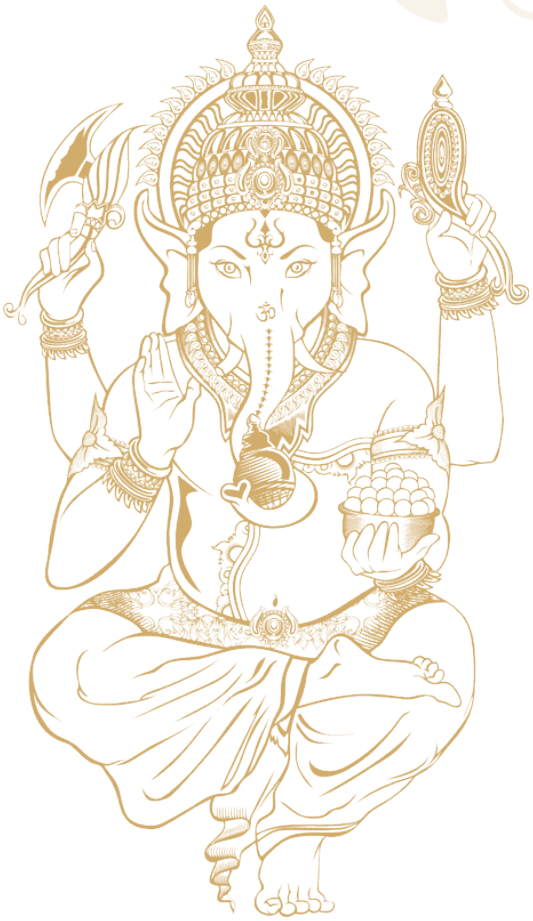

09 Jan 2026

11:23 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120879202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/01/2026**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**11:23:00 घंटे**
इष्ट	10:18:49 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:01:52 घंटे
वेलान्तर	-00:07:01 घंटे
साम्पातिक काल	18:17:01 घंटे
सूर्योदय	07:15:28 घंटे
सूर्यास्त	17:41:16 घंटे
दिनमान	10:25:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	24:44:50 धनु
लग्न के अंश	11:50:59 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शोभन
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पी-पीयूष
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	11:50:59	513:48:01	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	---
सूर्य			धनु	24:44:50	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	08:48:21	12:30:28	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
मंगल		अ	धनु	24:48:25	00:46:18	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	17:12:46	01:34:36	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	26:02:11	00:08:06	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	25:21:28	01:15:29	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
शनि			मीन	02:28:37	00:04:14	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु			कुंभ	16:05:13	00:01:19	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	16:05:13	00:01:19	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:31:27	00:01:18	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:24:20	00:01:01	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:44:59	00:01:53	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	09:41:01	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:20

लग्न-चलित

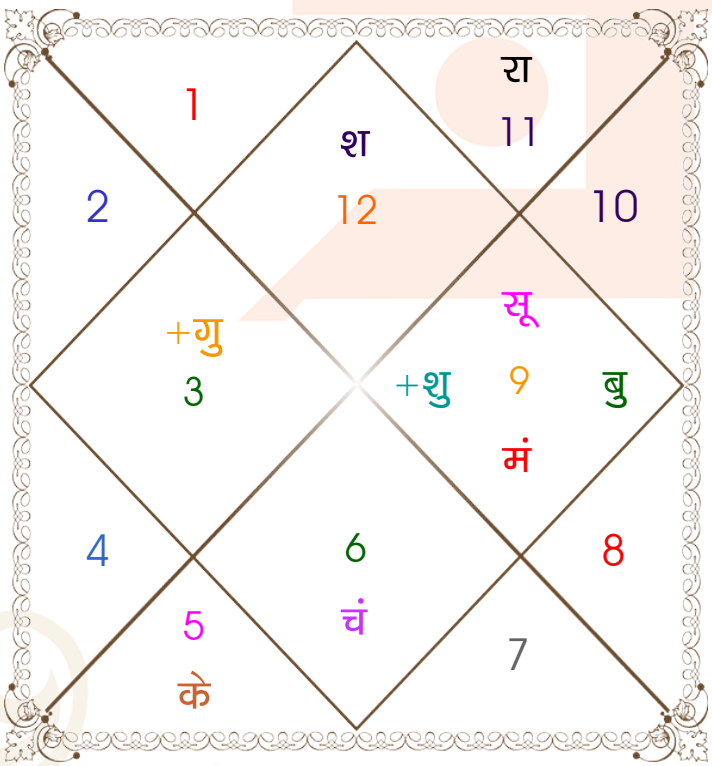

चन्द्र कुंडली

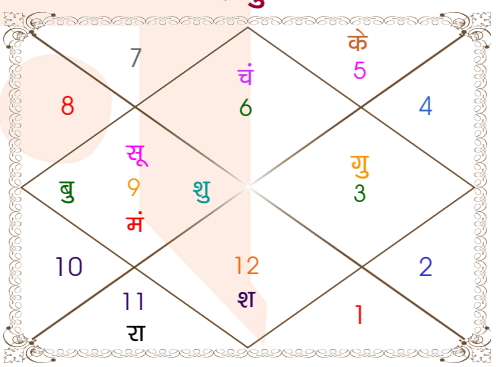

नवमांश कुंडली

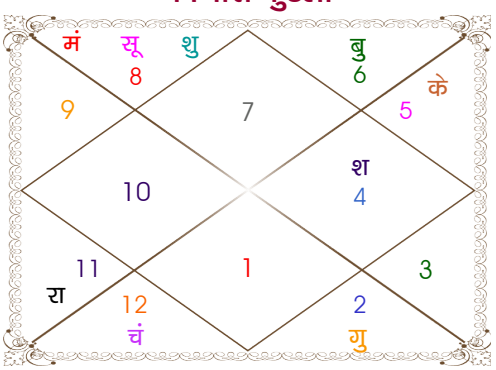

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 6 मास 13 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
09/01/2026		24/07/2026		24/07/2036		24/07/2043		24/07/2061	
24/07/2026		24/07/2036		24/07/2043		24/07/2061		24/07/2077	
	00/00/0000	चंद्र	25/05/2027	मंगल	20/12/2036	राहु	06/04/2046	गुरु	11/09/2063
	00/00/0000	मंगल	24/12/2027	राहु	07/01/2038	गुरु	29/08/2048	शनि	24/03/2066
	00/00/0000	राहु	24/06/2029	गुरु	14/12/2038	शनि	06/07/2051	बुध	29/06/2068
	00/00/0000	गुरु	24/10/2030	शनि	23/01/2040	बुध	23/01/2054	केतु	05/06/2069
	00/00/0000	शनि	24/05/2032	बुध	19/01/2041	केतु	10/02/2055	शुक्र	04/02/2072
	00/00/0000	बुध	23/10/2033	केतु	17/06/2041	शुक्र	10/02/2058	सूर्य	22/11/2072
	00/00/0000	केतु	24/05/2034	शुक्र	18/08/2042	सूर्य	05/01/2059	चंद्र	24/03/2074
	09/01/2026	शुक्र	23/01/2036	सूर्य	23/12/2042	चंद्र	05/07/2060	मंगल	28/02/2075
शुक्र	24/07/2026	सूर्य	24/07/2036	चंद्र	24/07/2043	मंगल	24/07/2061	राहु	24/07/2077

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
24/07/2077		24/07/2096		25/07/2113		25/07/2120		25/07/2140	
24/07/2096		25/07/2113		25/07/2120		25/07/2140		10/01/2146	
शनि	27/07/2080	बुध	20/12/2098	केतु	21/12/2113	शुक्र	24/11/2123	सूर्य	11/11/2140
बुध	06/04/2083	केतु	18/12/2099	शुक्र	20/02/2115	सूर्य	23/11/2124	चंद्र	13/05/2141
केतु	15/05/2084	शुक्र	18/10/2102	सूर्य	28/06/2115	चंद्र	25/07/2126	मंगल	18/09/2141
शुक्र	15/07/2087	सूर्य	25/08/2103	चंद्र	27/01/2116	मंगल	24/09/2127	राहु	13/08/2142
सूर्य	26/06/2088	चंद्र	23/01/2105	मंगल	24/06/2116	राहु	24/09/2130	गुरु	01/06/2143
चंद्र	26/01/2090	मंगल	21/01/2106	राहु	13/07/2117	गुरु	25/05/2133	शनि	13/05/2144
मंगल	06/03/2091	राहु	09/08/2108	गुरु	19/06/2118	शनि	25/07/2136	बुध	19/03/2145
राहु	10/01/2094	गुरु	15/11/2110	शनि	29/07/2119	बुध	26/05/2139	केतु	25/07/2145
गुरु	24/07/2096	शनि	25/07/2113	बुध	25/07/2120	केतु	25/07/2140	शुक्र	10/01/2146

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 6 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगे। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगे। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकते हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगे। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमे आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकते हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगे न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगे। आप अच्छी प्रकार जानते हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगे। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव के प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाते हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाते है कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंची किला बनाते है तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखते हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी है तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहते है। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझते हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमिका के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकूं। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहते हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करते हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखते हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करे। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगे कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूं। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

हो सकते है। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करते रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगे। आप अपनी अच्छी पत्नी, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यज्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकते है तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकते हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।